मासिक समाचार पत्र

title-code-MPHIN35679

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

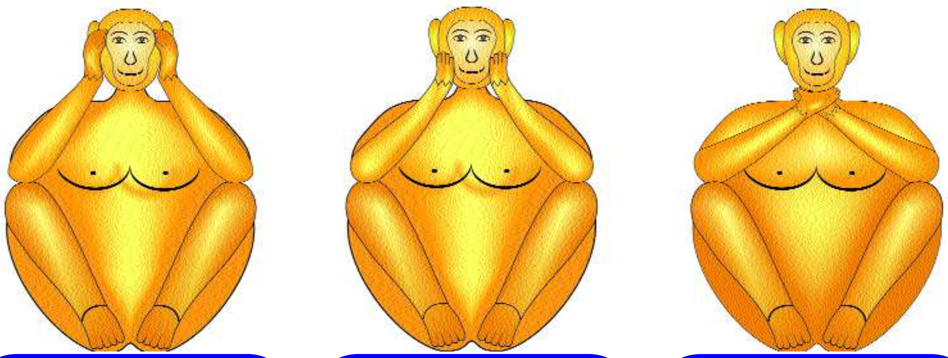

बुरा मत सोचो | बुरा मत मानो | बुरा मत करो

संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

वर्ष-2 अंक : 12 इंदौर, 15 फरवरी 2022 पृष्ठ : 8 मूल्य-1 रुपया

सुविचारः हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता है:- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

‘घर परिवार और अपनो को मुझे बचाना है मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है’

केन्द्रीय सर्तकता आयोग ने लिया संज्ञान

‘आधार-कार्ड’ की मूल परि-कल्पना को षडयंत्र रचकर हड़पने वाले भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के पूर्व चेयरमैन नंदन नीलकेणी पर सीवीआई का शिकंजा

नई दिल्ली। केंद्रीय सतर्कता आयोग सीवीआई ने लिया संज्ञान, **आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के पूर्व चेयरमैन श्रीमान नंदन नीलकेणी के खिलाफ शिकायत पर संज्ञान में लेते हुए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण को एक सूचना पत्र जारी किया गया है। उक्त शिकायत पर एक माह में कार्यवाही सुनिश्चित कर सुक्ष्मता से जाचं कर एवं तीन माह में अनुसंधान कर जवाब मांगा गया है।**

स्मरण रहे की दिनांक 29 सितंबर 2021 को आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल इंदौर ने सदर बाजार थाना, बाणगंगा थाने से लेकर सीएसपी, एसपी,डीएसपी, कमिश्नर, कलेक्टर, मुख्यमंत्री, सामान्य प्रशासन मंत्रालय,मध्यप्रदेश शासन भोपाल व नई दिल्ली के सभी मंत्रालयों,प्रधानमंत्री कार्यालय ,राष्ट्पति सचिवालय एवं सीबीआई को भी अपनी शिकायत ‘आधारायन ग्रंथ’ बुक पिटीशन याचिका 1176 पेज के माध्यम से भेजी थी। जिसमें उन्होंने अपना शोध-पत्र ‘कर लो इंसान को मुठ्ठी मे’ जो की 15 अगस्त 2005 को राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार को भेजा गया था। तब से लेकर अभी तक 14 वर्षों के संघर्ष के दौरानआधार कार्ड के जनक होने का दावा पेश करते हुए उक्त ग्रन्थ में आधार कार्ड के जन्म की कहानी लिखी है। उपरोक्त शिकायत पर सीवीआई ने संज्ञान लेते हुए एक सूचना पत्र जारी किया है। आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल ने बताया कि शीघ्र ही हमारे पक्ष में फैसला आएगा और कल्चुरी,कलाल, कलवार,कलार समाज को उक्त सम्मान मिलेगा एवं मां अहिल्या की पावन नगरी इंदौर शहर को एक और सर्वश्रेष्ठ सौगात मिलेगी। स्मरण रहे की आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल को पिछले दिनों भारत स्वच्छ मिशन इंदौर नगर पालिका निगम द्वारा आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम अवार्ड मिला था। जिसका स्लोगन था घर परिवार और अपनों को मुझे बचाना है, मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है।

आधार का हाथ जीवन भर का साथ

इंदौर में आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल के जन्म स्थल 25 काछी मोहल्ला से 25 मकान दूर 25 सिख मोहल्ला, लता ताई मंगेशकर का जन्म स्थल।

स्वर कोकिला - भारत रत्न लता ताई मंगेशकर के जन्म स्थली की कहानी

वह भारत का चांद सूरज थी लता मंगेशकर का जन्म 28 सितम्बर 1929 को इन्दौर मध्यप्रदेश के मकान नंबर 25, सिख मोहल्ला, कोर्ट वाली गली, गुरूद्वारे के पास, अनावकर जी के मकान के पास वाले मकान में हुआ था । लता ताई का बचपन का नाम हेमा हरदिकर था । लता ताई 7 साल की उम्र तक इन्दौर मध्यप्रदेश में रही। बाद में लता ताई का परिवार बम्बई महाराष्ट्र चला गया – वहां उनके कई रिश्तेदार रहते थे । मैं मोहन राठौर मकान नंबर 19, सिख मोहल्ला, इन्दौर मध्यप्रदेश में 50 – 60 वर्षो से टायपिंग प्रशिक्षण इन्स्टीट्यूट जिला कोर्ट जो कि लता ताई के जन्म के मकान के पास में चला रहा हूं । मैं सिख मोहल्ला, जिला कोर्ट के पास वाली गली में सन् 1958 से कोर्ट आ रहा हूं। मेरे पिताजी स्व0 श्री लक्ष्मीनारायणजी राठौर (जो कि आज करीब 100 वर्ष से ज्यादा के होते) बताते थे कि – उस समय लता ताई के जन्म के समय वह मकान टापरेनुमा लकडी पतरे का बना हुआ था, वहां पर कई परिवार किराये पर रहते थे – वहां पर गाय ढोर पाले जाते थे ।उस समय कोर्ट के सामने वाले मकानों का यह पिछवाडे वाली गली थी जिसमें लता ताई का जन्म हुआ वह मकान किसी महाराष्ट्रीन परिवार का था । सिख मोहल्ले में उस समय 90 प्रतिशत महाराष्ट्रीन परिवार निवास करते थे, आज भी ज्यादातर मकान महाराष्ट्रीन परिवार के हैं । जिस मकान में लता ताई का जन्म हुआ उसका वर्तमान में मकान नंबर 25 सिख मोहल्ला, इन्दौर है । लता ताई एवं उनकी बहनों के साथ उनकी माता पिता व एक अन्य वृद्ध महिला निवास करती थी । लता ताई के परिवार ने एक कमरा टापरेनुमा चद्दर का किराये पर लिया था। यह जीर्णशीर्ण स्थिति में कई टापरे के कमरे थे। इस मकान को वाध साहब का बाड़ा कहा जाता था । वाध साहब से यह मकान एक मुसलमान ने खरीदा था । उस मुसलमान से यह मकान इन्दौर सिख समाज के प्रतिष्ठित वकील बलवंतसिंह जौहर ने एवं उनके भाई दर्शनसिंह जौहर ने आधा–आधा खरीदा । कोर्ट के सामने का भाग बलवंतसिंह जौहर वकील ने खरीदा । मेरे पिताजी ने ही इस कच्चे मकान को अपनी देखरेख में बनवाया था । मेरे पिताजी जो कि वकीलों के सहयोगी थे पहले वे पी आर शर्मा जज साहब के सहयोगी थे व बाद में वे जस्टिस संवत्सर साहब के सहयोगी रहे व फिर बलवन्तसिंह जौहर के सहयोगी रहे । हमारा पूरा परिवार न्यायालयीन क्षेत्र से जुड़ा हुआ है । मेरे पिताजी ने जो मकान खरीदा वह लता ताई के जन्म के मकान से 4 मकान पीछे है वह डिप्टी कलेक्ट रहालकर साहब से खरीदा है । इस मकान के सत्संग हाल में लताजी जब छोटी थी तब सत्संग हाल में अन्य बच्चीयों के साथ खेलने आया करती थी क्योंकि हमारे इस मकान में 20 फुट लंबा व 20 फुट चौड़ा सत्संग हाल था – जहां सत्संग होता था वहां बच्चे खेला करते थे । लता ताई को सन् 1949 में महल फिल्म के गाने – आयेगा आने वाला से प्रसिद्धी मिली थी। लता ताई के पिता दीनानाथ मंगेशकर उस समय के बहुत बडे शास्त्रीय गायक थे । लता ताई एक सादगी की मिशाल थी – वह चप्पल बाहर उतारकर गाना गाती थी । लता ताई अपने गायन को कर्म, कार्य व पूजा समान समझती थी । सादगी की वजह से ही लता ताई ने भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपना नाम कमाया व भारत देश का नाम ऊंचा किया । पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी उनके गानों की तारीफ करते थे । ए मेरे वतन के लोगों – इस गाने के बाद लता ताई को भारत देश के लोगों ने अपने सिर पर बिठाकर सम्मान दिया था । ताई अपने स्वर्गवास के पहले करीब 15 – 20 साल पहले 2 – 3 बार इन्दौर आई थी व सराफा में चाट खाने गयी थी। लता ताई ने कार में बैठे ही बैठे अपनी जन्म भूमि सिख मोहल्ले के मकान के हाथ जोडे थे – जिसका मैं गवाह हूं। करीब 10– 15 साल पहले एक बार अनुराधा पोरवाल भी इन्दौर आई थी व उन्होंने कोठारी मार्केट के सामने 2 – 3 दुकानों से साडियां खरीदी थी व वे भी लता ताई के जन्म स्थली सिख मोहल्ला में आई व हाथ जोडकर मकान को देखकर चली गई । इस मकान को तोडकर बलवन्तसिंह जौहर ने एवं उनके भाई ने नया मकान बनवाया । बलवन्तसिंह जौहर ने कोर्ट के सामने वाले हिस्से में दो दुकानें निकाली । एक दुकान पोस्ट आफिस को किराये पर दी व दूसरी धर्मपाल खेत्रपाल को लायर्स होम की ला की दुकान चलाने के लिये किराये पर दी। बाद में लायर्स होम वालों ने एक सिन्धी भैया आलमचन्दजी के मकान की दोनों दुकानें किराये पर ले ली । बलवन्तसिंह जौहर के स्वर्गवास के बाद दुकान 1993 में मेहता क्लाथ स्टोर ने किराये पर ले ली । बलवन्तसिंह जौहर की पत्नि बीजी के स्वर्गवास के बाद उनके तीन पुत्रों ने यह मकान मेहता क्लाथ स्टोर वालों को बेच दिया । वर्तमान में इस जगह एक हाल बनाकर मेहता क्लाथ स्टोर सन् 2001से संचालित हो रहा है । लता मंगेशकर का स्वर्गवास दिनांक 6–2–2022 को सुबह 8 बजकर 12 मिनिट पर मुंबई में हुआ । सिख मोहल्ले का नाम जस्टिस संवत्सर साहब के मरने के बाद –जस्टिस संवत्सर मार्ग रखा गया । अब हम सभी लता ताई को सम्मान देने के लिये इस सिख मोहले को लता जी का नाम देना चाहते हैं।

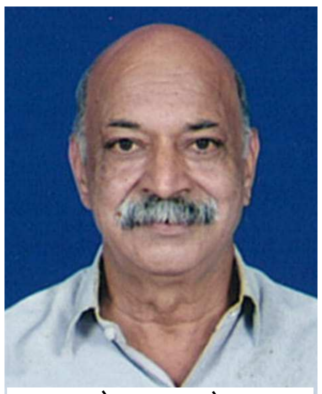
मोहन राठौर

(सबसे पुराना सिख मोहल्ले का मोहन राठौर पिता स्व0 श्री लक्ष्मीनारायणजी राठौर) संस्थान- मोहन टायपिंग इन्स्टीट्यूट (प्रशिक्षण केन्द्र)
19, सिख मोहल्लाला कार्ट वाली गली इंदौर

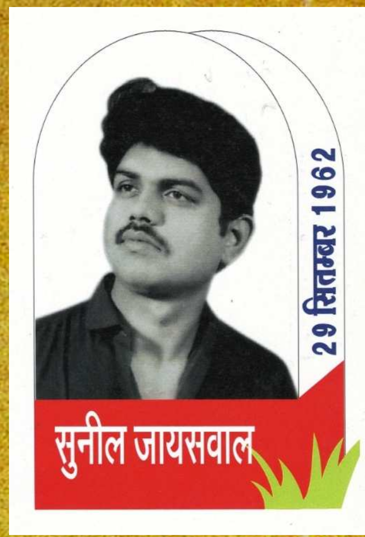

गौरवान्वित हैं हम क्योंकि इंदौर की धरती से ही जन्मे हैं हम

लता जी का पुस्तैनी मकान के स्थल पर नव निर्मित भवन

आधार कार्ड के जनक सुनील ज़ायसवाल का जन्म निवास स्थल

देवी अहिल्या बाई होलकर

अखिल भारतीय प्रबुद्ध जायसवाल महासभा लखनऊ (उ.प्र.)

हिन्दी साहित्य के महान लेखक

जयशंकर प्रसाद जी

बिहार केसरी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कलवार कुल से प्रथम बैरिस्टर, विश्व यात्री शिक्षाविद्

बाबू दीप नारायण सिंह

02/02/2022 जबलपुर कार्ड शिवहरे के जन्मदिन पर दादु लल्ला जी शिवहरे नानू आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल नानी मम्मी पापा के साथ, हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

श्रीमान लल्लाजी शिवहरे ग्वालियर के द्वितीय पुत्र निकुंज शिवहरे के विवाह समारोह के चित्र

02/02/2022 जबलपुर कार्ड शिवहरे के जन्मदिन पर दादु लल्ला जी शिवहरे नानू आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल नानी मम्मी पापा के साथ, हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

पंजीयन क्रमांक 03/27/01/21830/19 शोध पत्र -"कर लो इन्सान को मुठ्ठी में" पंजीयन दिनांक : 06 जुलाई 2019

संस्था संस्थापक 100 मिलेनीयम + जिनीयस आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

आधार कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसायटी

पंजीकृत कार्यालय - 35 शंकर बाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, आर्मी हेड क्वार्टर, इन्दौर - 452006 मो. 98272-22811

सुनील जायसवाल, इन्दौर अध्यक्ष प्रचार सचिव कमल साबू सचिव आशीष शिवहरे, जबलपुर

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
भारत सरकार
Unique Identification Authority of India
Government of India
AADHAAR

सुनील जायसवाल
जन्म तिथि : 29 सितम्बर 1962
पुरुष / Male
8276 7087 2929

पता :
S/o : संतोष कुमार, 35 शंकर बाग कालोनी, मरिमाता चौराहा, आर्मी हेड क्वाटर, इन्दौर, मध्यप्रदेश, 452006

आधार – आम आदमी का अधिकार

29 सितम्बर 2005 को राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा संज्ञान में लिया गया हमारा शोध पत्र/भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड का शुभारंभ 29 सितम्बर 2010

आधार कार्ड की इस परि-कल्पना पर हक है मेरा/"भारत" के इस "निमार्ण" में हक है "मेरा"

Padma Awards
Ministry of Home Affairs
(Govt. of India)

NOMINATE YOUR HEROES FOR #PEOPLESPADMA 2020!

Padma Vibhushan Padma Bhushan Padma Shri

प्रति, केंद्रीय सतर्कता आयोग सतर्कता
भवन जीपीओ कांपलेक्स ब्लॉक-ए,
आई.एन.ए., नई दिल्ली -110023

संदर्भ : - आपका पत्र क्रमांक 189803/2021 विजिलेंस-2/500071 दिनांक 27/12/21

विषय धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करने हेतु।

महोदय, हमारे द्वारा आपको आधारायण ग्रंथ पिटीशन याचिका के माध्यम से की गई शिकायत को आपके द्वारा संज्ञान में लेकर उपरोक्त पर की गई कार्रवाई के लिए आपको हम हृदय से धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हैं।

अध्यक्ष
आधार कार्ड के जनक
सुनील जायसवाल

बुरा मत सोचो
Do Not Think Bad
बुरा मत मानो
Do Not Mind Bad
बुरा मत करो
Do Not Do Bad

सुनील जायसवाल द्वारा बदरी कि परि-कल्पना 16 मई 2010 को की गई है।

सुविचार : हर प्रकार गलतियों की शुरुआत से प्रारम्भ होता है - सुनील जायसवाल "आधार कार्ड" के जनक

You Tube Address - sunil jaiswal aadhaar founder, inventor & father of three sons of gandhiji wise monkeys

ऑफिस :- प्लाट नं. 1, सेक्टर-एफ, एस.बी.आई., कम्पाउंड के अन्दर, मोती बाबा आश्रम के सामने, लरवल, औद्योगिक क्षेत्र, सांवेर रोड, इन्दौर (म.प्र.) 452015, सुनील - मो. नं. 98272-22811

समस्त आधार कार्ड धारको को हार्दिक शुभ कामनाऐ बधाई कर्ता - आधार जायसवाल, कार्ड शिवहरे

आधार का हाथ जीवन भर का साथ

आधार बनवाओं आधार बनो आधार पाओ

वरिष्ठ पत्रकार वैद्प्रकाश वैदिक

श्रीमान दीपक जी जायसवाल, नागपुर में कलचुरी एकता महासभा की बैठक को संबोधित करते हुए।

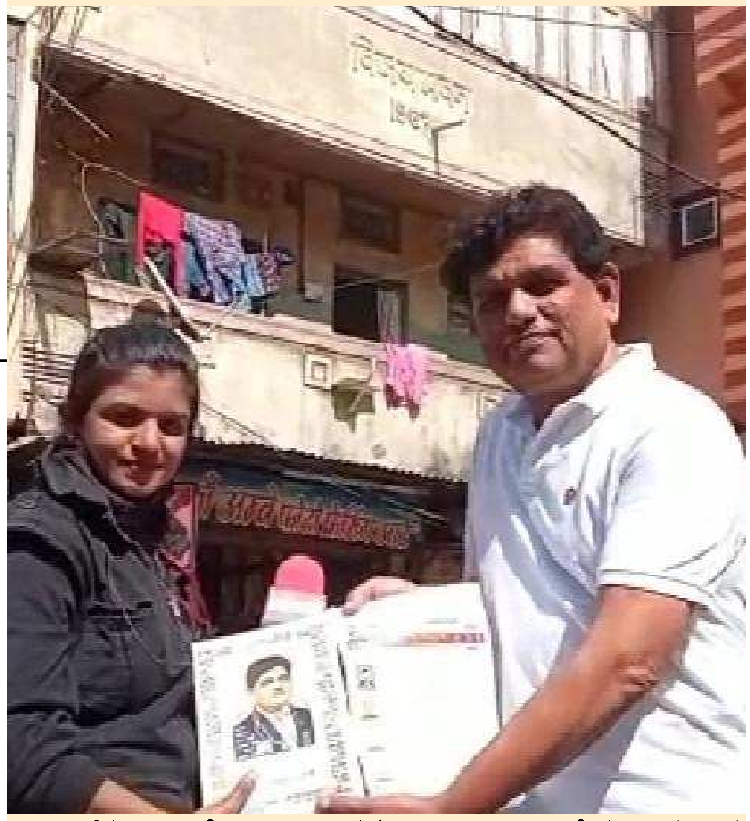

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल अपने पैतृक जन्म स्थान 25 काछी मोहल्ला के सामने पत्रकार सुश्री विनीता पालीवाल को अपनी किताब आधारयण ग्रंथ सौंपते हुए।

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से बधाई व शुभकामनाएं

Sewa Ki Saakhi

एक जज साहब कार में जा रहे थे, अदालत की ओर। मार्ग में देखा कि एक कुत्ता नाली में फंसा हुआ है। जीने की इच्छा है, किंतु प्रतीक्षा है कि कोई आए और उसे कीचड़ से बाहर निकाल दे। जज साहब ने कार रुकवाई और पहुंचे उस कुत्ते के पास। उनके दोनों हाथ नीचे झुक गए और कुत्ते को निकाल कर सड़क पर खड़ा कर दिया। सेवा वही कर सकता है जो झुकना जानता है। बाहर निकलते ही कुत्ते ने जोर से सारा शरीर हिलाया और पास खड़े जज साहब के कपड़ों पर ढेर सारा कीचड़ लग गया। सारे कपड़ों पर कीचड़ के धब्बे लग गए। किंतु जज साहब घर नहीं लौटे। उन्हीं वस्त्रों में पहुंच गए अदालत में। सभी चकित हुए, किंतु जज साहब के चेहरे पर अलौकिक आनंद की आभा थी। वे शांत थे। लोगों के बार-बार पूछने पर बोले, मैंने अपने हृदय की तड़पन मिटाई है, मुझे बहुत शांति मिली है। वास्तव में दूसरे की सेवा करने में हम अपनी ही वेदना मिटाते हैं। दूसरों की सेवा हम कर ही नहीं सकते। वे तो मात्र निमित्त बन सकते हैं। उन निमित्तों के सहारे हमें अपने अंतरंग में उतरना होता है

यही सबसे बड़ी सेवा है

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रद्धांजलि

आधार बनवाओं आधार बनो आधार पाओ

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा लिखित सुविचार कोरोना कहर-सिरीज-समाचार-व्हाट्सअप, ट्वीटर फेसबूक आदि प्रसारित

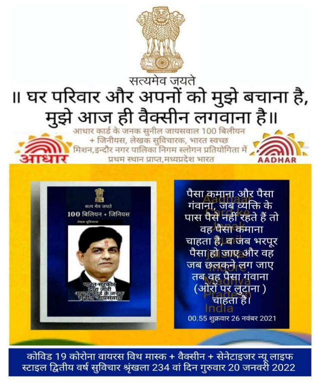

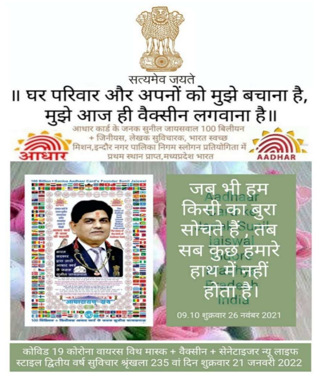

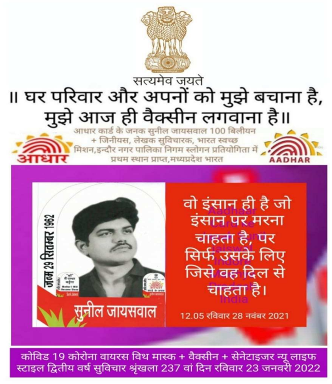

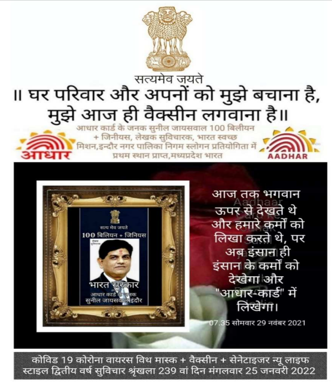

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

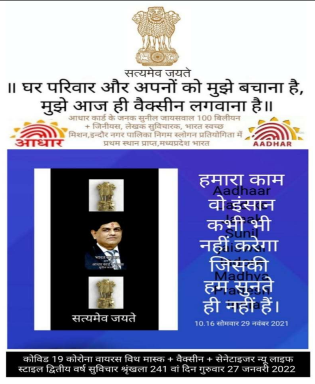

जबलपुर,आज नाति कार्ड शिवहरे का जन्म दिन है, बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।

कोविड 19 कोरोना वायरस विथ मास्क + वैक्सीन + सेनेटाइजर न्यू लाइफ स्टाइल द्वितीय वर्ष सुविचार श्रृंखला 247 वां दिन बुधवार 2 फरवरी 2022

02/02/2022 जबलपुर कार्ड शिवहरे के जन्मदिन पर दादु लल्ला जी शिवहरे नानू आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल नानी मम्मी पापा के साथ, हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

कोविड 19 कोरोना वायरस विथ मास्क + वैक्सीन + सेनेटाइजर न्यू लाइफ स्टाइल द्वितीय वर्ष सुविचार श्रृंखला 248 वां दिन गुरुवार 3 फरवरी 2022

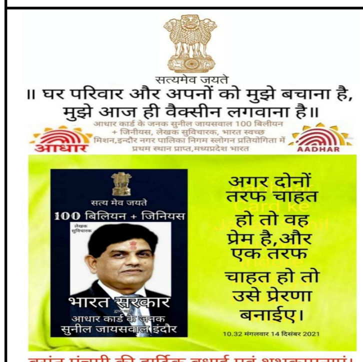

बसंत पंचमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

कोविड 19 कोरोना वायरस विथ मास्क + वैक्सीन + सेनेटाइजर न्यू लाइफ स्टाइल द्वितीय वर्ष सुविचार श्रृंखला 250 वां दिन शनिवार 5 फरवरी 2022

"नमामि देवी नर्मदे" मां नर्मदा जन्म उत्सव की हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

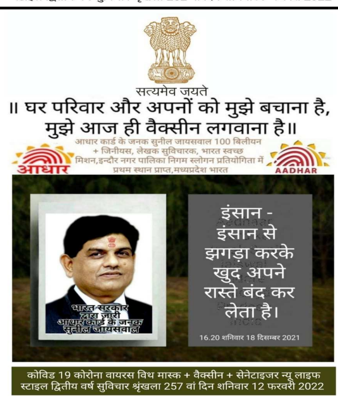

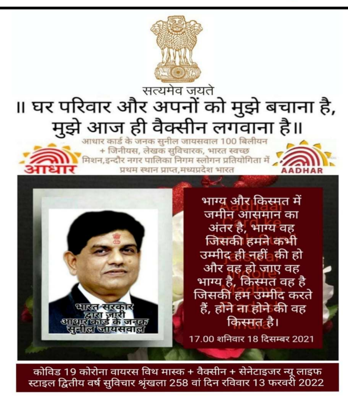

बुरा मत सोचो बुरा मत मानो बुरा मत करो
पंजीयन क्रमांक 03/27/01/21830/19 शोध पत्र –"कर लो इन्सान को मुट्ठी में" पंजीयन दिनांक : 06 जुलाई 2019
संस्था संस्थापक 100 मिलेनीयम + जिनीयस आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल
आधार कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसायटी
पंजीकृत कार्यालय - 35 शंकर बाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, आर्मी हेड क्वार्टर, इन्दौर - 452006 मो. 98272-22811

आधार लिंक नहीं होने पर अप्रैल में देना होगा 1000 रुपए जुर्माना

नई दिल्ली। अगर आपके पास भी पैन और आधार कार्ड है और आपने उसको अभी तक लिंक नहीं कराया है तो आपको कल के बाद यानी 1 अप्रैल को 1000 रुपये जुर्माना देना पड़ेगा. केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने ने इस बारे में जानकारी दी है।

रद्द हो जाएगा पैन कार्ड

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने ने कहा है कि 31 मार्च, 2022 तक पैन नंबर को आधार से नहीं जोड़ने वाले करदाताओं को 500 रुपये से लेकर 1,000 रुपये तक का जुर्माना भरना होगा. पैन को बायोमीट्रिक आधार से जोड़ने की अंतिम तारीख 31 मार्च, 2022 है. अगर आप कल तक लिंक नहीं कराते हैं तो आपका पैन कार्ड रद्द हो जाएगा.

30 जून के बाद देना होगा 1000 रुपये

सीबीडीटी ने बताया कि समय पर लिंक न कराने पर आपको 500 रुपये लेट फीस के रूप में देनी होगी. यह जुर्माना शुल्क अगले तीन महीने यानी 30 जून, 2022 तक के लिए होगा. उसके बाद टैक्सपेयर्स को 1,000 रुपये का जुर्माना देना होगा. वहीं, पैन को आधार से न जोड़ने की स्थिति में 31 मार्च, 2022 से पैन कार्ड बेकार हो जाएगा.

देना होगा 500 से 1000 रुपये जुर्माना

एकेएम ग्लोबल के अमित माहेश्वरी ने कहा कि सरकार ने पैन को आधार से जोड़ने की समयसीमा को कई बार बढ़ाने के बाद आखिरकार अब जुर्माना राशि की सूचना जारी की है. एक अप्रैल से पहले तीन माह के लिए जुर्माना राशि 500 रुपये और उसके बाद 1,000 रुपये होगी.

एनआरआई लोगों को हो सकती है परेशानी

माहेश्वरी ने कहा, ''प्रवासी भारतीयों की कुछ चिंताएं हो सकती हैं क्योंकि कुछ मामलों में उनके पास आधार नहीं है. नांगिया एंडरसन एलएलपी के भागीदार नीरज अग्रवाल ने कहा, ''आयकर रिटर्न दाखिल करने जैसे आयकर से संबंधित कार्यों को पूरा करने के लिए अब आधार संख्या को पैन से जोड़ना अनिवार्य है.''

कहां होता है पैन का इस्तेमाल

पैन का उपयोग बैंक खाता खोलने, अचल सम्पत्ति की खरीद या पहचान के प्रमाण के रूप में किया जाता है. पैन को आधार से नहीं जोड़ने वाले करदाताओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. नीरज अग्रवाल ने कहा, ''जिन लोगों की पहुंच आयकर पोर्टल तक नहीं है उनके लिए 'लिंकिंग प्रक्रिया' एसएमएस के जरिये उपलब्ध कराई जाती है.''

आधे से ज्यादा लोग देश में नहीं करवाते लिंक

नई दिल्ली। पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने की योजना को लगातार आगे बढ़ाया है। उसके बाद भी देश में पैन आधार कार्ड लिंक करने की योजना पूरी नहीं हो सकी है। खास बात तो ये है कि देश में अभी 18 करोड़ पैन कार्ड ऐसे हैं जो आधार कार्ड से नहीं लिंक नहीं है। माई गवर्नमेंट इंडिया की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में अभी तक 31.71 करोड़ पैन कार्ड आधार कार्ड से लिंक हुए हैं। जबकि देश में पैन कार्ड धारकों की संख्या 50 करोड़ से ज्यादा है। जिसकी संख्या में और ज्यादा इजाफा देखने को मिल सकता है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से किस तरह से आंकड़े जारी हुए हैं।

माई गवर्नमेंट इंडिया की ओर से किए गए ट्वीट से मिली जानकारी के अनुसार देश में अभी 18 करोड़ पैन कार्ड ऐसे हैं, जो आधार कार्ड से लिंक नहीं हुए हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार देश में अभी तक 32.71 करोड़ स्थाई खाता संख्या यानी पैन कार्ड जोड़े जा चुके हैं। जबकि देश में 29 जून तक पैन कार्ड धारकों की संख्या 50.95 करोड़ हो चुकी है। सरकार पहले ही आधार को पैन से जोडऩे की तारीख बढ़ाकर 31 मार्च, 2022 कर चुकी है। आपको बता दें कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यानी यूआईडीएआई 12 अंकों वाला आधार कार्ड जारी करता है जबकि आयकर विभाग किसी, व्यक्ति या इकाई को 10 अंकों वाला पैन जारी करता है।

आयकर विभाग की ओर से साफ किया जा चुका है कि अगर पैन कार्ड को आधार से कनेक्ट नहीं किया है तो वो बंद हो जाएगा। ऐसे में दोनों का लिंक होना काफी जरूरी है। माई गवर्नमेंट इंडिया ने अपने ट्वीट में इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों के इनकम डिस्ट्रीब्यूशन के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि 57 फीसदी यूनिट्स ऐसी हैं जिनकी इनकम 2.5 लाख रुपए से कम है। वहीं 18 फीसदी उन लोगों द्वारा रिटर्न भरा जाता जिनकी आय 2.5 से 5 लाख रुपए है। 17 फीसदी लोगों की आय 5 लाख रुपए से 10 लाख रुपए है। सात फीसदी की आय 10 लाख रुपए से लेकर 50 लाख रुपए तक है। इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों में सिर्फ एक फीसदी ऐसे लोग हैं जो अपनी आय को 50 लाख रुपए से ज्यादा दिखाते हैं।

सत्यमेव जयते
भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
AADHAAR
आम आदमी का अधिकार
आधार पंजीकरण केन्द्र
संचालक-आनंद बाबू शाक्या
(1) झोन क्रं.07 नगर निगम कार्यालय, स्कीम नं. 54,
(2) सरकारी पानी की टंकी,स्कीम नं. 78 ऑटो स्टैंड के पास
विजयनगर, इंदौर, मो.नं. 7987374058
रवि कुमार- संपर्क-6268568837

समस्त आधार कार्ड धारको को हार्दिक शुभ कामनाऐ बधाई कर्ता - आधार जायसवाल, कार्ड शिवहरे
आधार का हाथ जीवन भर का साथ
आधार बनवाओ आधार बनो आधार पाओ

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर, 452006 से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)